मन की बात रेडियों कार्यक्रम का युवाओं पर प्रभाव

सत्र –2022–2023

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर पत्रकारिता एवं जनसंचारके पंचम प्रश्न पत्र के आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु

लघु शोध प्रबंध

मार्गदर्शक

डॉ. अनुपमा कुमारी

असिस्टेंट प्रोफेसर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

राकेश जायसवाल

एम.ए.जे.एम.सी चतुर्थसेमेस्टर

अनुक्रमांक:21008118

नामांकन संख्या:GGV/21/00512

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

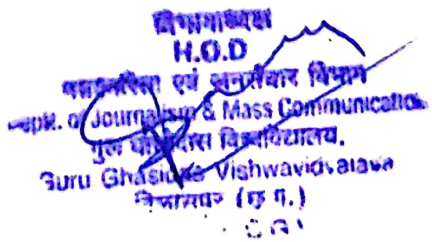

Scanned with OKEN Scanner

प्रमाण- पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि राकेश जायसवाल, एम. ए.(जे.एम.सी), चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र - 2022-23 के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय (छ. ग.) के छात्र हैं और इन्होंने मेरे निर्देशन में "मन की बात (रेडियो कार्यक्रम) का युवाओं पर प्रभाव" विषय पर लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया है। इन्होंने लघु शोध-प्रबंध को पूर्ण करने में विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन किया है.

विभागाध्यक्ष
डॉ. धीरज शुक्ला
पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग
गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,
कोनी बिलासपुर (छ.ग.)

शोध निर्देशक
डॉ. अनुपमा कुमारी
पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग
गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय,
कोनी बिलासपुर (छ. ग.)

Scanned with OKEN Scanner

अध्याय : 1
प्रस्तावना एंव शोध पद्धति

प्रस्तावना

इस लघु शोध प्रबंध में, हम नरेंद्र मोदी के "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम के युवाओं पर प्रभाव पर विचार करेंगे। यह कार्यक्रम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी राष्ट्रीय रेडियो स्टेशनों पर मासिक रूप से प्रसारित किया जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, मोदी जी ने देशवासियों के साथ संवाद स्थापित किया है और युवाओं को सशक्त और सक्रिय नागरिक के रूप में प्रेरित किया है। युवाओं को मोदी जी के "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम से एकांतवाद से मुक्ति, संघर्ष और सकारात्मकता की भावना प्राप्त होती है। उन्हें अपने जीवन में सफलता की ओर प्रेरित करने के लिए कहावतें और अनमोल विचारों के साथ भरी गुरुकुल का अनुभव होता है। इससे उनमें राष्ट्रवाद के प्रति समर्पण और देशभक्ति के प्रति आक्रोश उत्पन्न होता है। मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम में युवाओं को आधुनिक भारतीय समाज में अपनी भूमिका को समझने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे उनके मार्गदर्शक, नेता और मेंटर बनकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों के युवा नेताओं और उद्यमियों के साक्षात्कार उनके माध्यम से रेडियो कार्यक्रम में प्रसारित किए जाते हैं, जिससे युवाओं को उनसे सम्बंधित प्रेरणा मिलती है।इस प्रबंध में हम नरेंद्र मोदी जी के "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम के युवाओं पर प्रभाव के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को विचार करेंगे और उनके साथ जुड़े रहने के लाभ और चुनौतियों का भी मूल्यांकन करेंगे

उद्देश्य

इस लघु शोध प्रबंध का उद्देश्य है नरेंद्र मोदी के "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम के युवाओं पर प्रभाव का अंतर्वस्तु विश्लेषण करना। इसके लिए निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा किया जाएगा: युवाओं के बीच कार्यक्रम प्रसारण का अध्ययन: यह उद्देश्य कार्यक्रम के उद्दीपनात्मक बदलाव और युवाओं के मन में सकारात्मक परिवर्तन के प्रकार को समझने के लिए एक प्रभावी अध्ययन के लिए है। संचार माध्यम के प्रभाव का विश्लेषण: इस उद्देश्य के तहत, रेडियो कार्यक्रम के रूप में चयन किए जाने वाले संचार माध्यम के प्रभाव को विश्लेषण किया जाएगा और यह देखने का प्रयास किया जाएगा कि रेडियो कार्यक्रम युवाओं तक कैसे पहुंचता है। सामाजिक और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में अध्ययन: इस उद्देश्य के अंतर्गत, हम रेडियो कार्यक्रम के संदेशों और युवाओं के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में प्रभाव के बारे में विश्लेषण करेंगे।सकारात्मक परिणाम का अध्ययन: इस उद्देश्य के अंतर्गत, हम देखेंगे कि "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम के प्रसारण के बाद सकारात्मक परिणाम क्या हुए हैं। क्या युवाओं के विचार, व्यवहार, और दृष्टिकोन में सकारात्मक बदलाव आया है? इस प्रबंध में हम उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय और वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करेंगे और नरेंद्र मोदी के "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम के युवाओं पर प्रभाव के प्रमुख पहलुओं को विश्लेषण करेंगे।और इस प्रबंध में, हम निम्नलिखित विषयों पर विचार करेंगे:सामाजिक संबंध और युवा समुदाय के रोल: हम देखेंगे कि

Scanned with OKEN Scanner